भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2055

उत्तर देने की तारीख-06/08/2025

बुधवार,15 श्रावण,1947(शक)

ओडिशा के पुरी जिले में कौशल विकास के अवसर

2055. श्री शुभाशीष खुंटिया:

क्या कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पुरी की तटीय अर्थव्यवस्था के लिए विशिष्ट कौशल आवश्यकताओं की पहचान की है;

(ख) पुरी जिले में मत्स्य पालन, आतिथ्य या पर्यटन से संबंधित किसी प्रशिक्षण केंद्र का ब्यौरा क्या है;

(ग) पुरी में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से प्रशिक्षित और नियोजित युवाओं की संख्या कितनी है;

(घ) क्या कोई तटीय कौशल क्लस्टर विकसित किया जा रहा है; और

(ङ) क्या कौशल कार्यक्रमों में पट्टचित्र और हस्तशिल्प जैसे पारंपरिक कौशल को एकीकृत करने की योजना है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): एमएसडीई की आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अर्जन और ज्ञान जागरूकता (संकल्प) योजना के तहत 2021 में ओडिशा राज्य द्वारा किए गए कौशल अंतराल अध्ययन के अनुसार, पुरी की कौशल आवश्यकताओं को इसकी आर्थिक क्षमता के अनुरुप बनाया गया है । पर्यटन और आतिथ्य, पट्टचित्र और एप्लिक कार्य जैसे पारंपरिक शिल्प सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति की आवश्यकताओं की पहचान की गई थी।

(ख) से (घ) : भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। एसआईएम का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल से सुसज्जित करके उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। दिनांक 30 जून 2025 तक, ओडिशा के पुरी जिले में पीएमकेवीवाई के तहत कुल 41,235 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

एमएसडीई की स्कीमों में, पीएमकेवीवाई के अल्पकालिक प्रशिक्षण घटक के अंतर्गत, 2015-16 से 2021-22 तक लागू किए गए पहले तीन संस्करणों (पीएमवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0) में प्लेसमेंट पर नज़र रखी गई। पीएमवीकेवाई (1.0, 2.0 और 3.0) के अंतर्गत, ओडिशा के पुरी जिले में 2,570 उम्मीदवारों के प्लेसमेंट की सूचना मिली है। पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से अभिविन्यस्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) जैसे विभिन्न आईटी टूल्स भी यह अवसर प्रदान करते हैं।

एमएसडीई की विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्र आवश्यकतानुसार स्थापित या संचालित किए जाते हैं। ओडिशा और उसके पुरी जिले में एमएसडीई की विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत स्थापित या संचालित प्रशिक्षण केंद्रों का ब्यौरा (दिनांक 30.06.2025 तक) इस प्रकार है:

	पीएमकेवीवाई 4.0 केंद्र (एसटीटी +एसपी)*	जेएसएस केन्द्र	एनएपीएस प्रतिष्ठान	आईआईटी
ओडिशा	239	29	768	500
पुरी जिला	10	01	50	16

* अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) और विशेष परियोजनाएं (एसपी)

(ङ): एमएसडीई की स्कीमों के तहत प्रदान किए गए पाठ्यक्रमों में हस्तशिल्प और वस्त्र जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ एआई/एमएल और रोबोटिक्स जैसे नए युग/भविष्य के कौशल पाठ्यक्रम शामिल हैं। पीएमकेवीवाई के तहत हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र में दी जाने वाली नौकरी की भूमिकाओं में एप्लिक कारीगर; सिरेमिक और टेराकोटा खिलौना निर्माता- कारीगर; उत्कीर्णन/नक्काशी/इचिंग असिस्टेंट, इनले आर्टिजन- स्टोन क्राफ्ट, हाथ कढ़ाई (पारंपरिक) आदि शामिल हैं। जेएसएस स्कीम के तहत प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या वर्ष 2025-26 में 28 से बढ़ाकर 51 कर दी गई है। इन 51 पाठ्यक्रमों में से 7 पाठ्यक्रम हस्तशिल्प क्षेत्र अर्थात सहायक हस्त कढ़ाई - (फुलकारी/ चिकनकारी/ कश्मीरी/ ज़री ज़रदोज़ी/ कांथा); सहायक कारीगर- बांस शिल्प; स्ट्रिंगिंग/बीडिंग कारीगर (फैशन आभूषण); हस्तकारी मोमबत्ती निर्माता; एडवांस्ड पॉटर, क्रिएटिव मालाकार और क्रिएटिव सॉफ्ट टॉय मेकर से संबंधित हैं । सीटीएस के तहत, पारंपरिक शिल्प में प्रदान किए गए पाठ्यक्रमों में बसोहली पेंटिंग आर्टिस्ट ; कालीन बुनाई कारीगर-हथकरघा; हाथ कढ़ाई कारीगर, पेपर माचे कारीगर: शॉल बुनाई कारीगर; पारंपरिक फुलकारी कारीगर; लकड़ी की नक्काशी कारीगर, आदि शामिल हैं।

एमएसडीई, विश्वकर्माओं को उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिए आधुनिक औजारों और तकनीकों के ज्ञान के साथ-साथ ऋण सहायता प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री विश्वकर्मा स्कीम के अंतर्गत कौशलीकरण घटक का भी कार्यान्वयन कर रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा स्कीम के अंतर्गत आने वाले 18 ट्रेड में से सात ट्रेड हस्तशिल्प जैसे मालाकार, टोकरी निर्माता/ टोकरी बुनकर: चटाई निर्माता/ कयर बुनकर/ झाड़ू निर्माता, मूर्तिकार/ पत्थर तराशने वाला/ पत्थर तोड़ने वाला, कुम्हार, और गुड़िया एवं खिलौने निर्माता से संबंधित हैं ।

*****